

PSBB LEARNING LEADERSHIP ACADEMY
BANGALORE

CLASS - VIII

SUB- II LANGUAGE - SANSKRIT
PRIYA.E

TOPIC- जश्त्व सन्धिः।

जश्त्व सन्धिः

विधिः → वर्गीय प्रथमवर्णः + स्वरः /मृदुव्यञ्जनम्
↓
वर्गीय तृतीयवर्णः + स्वरः /मृदुव्यञ्जनम्
वाक् + देवता → वाग् + देवता → वाग्देवता

वर्गीय प्रथमवर्णः + स्वराः, मृदुव्यञ्जनानि

[3,4, वर्गीय व्यञ्जनानि
& य्, र्, ल्, व्, ह्]

= वर्गीय तृतीयवर्णः

क्=ग्, च्=ज्, ट्=ड्, त्=द, प्=ब्

सन्धत्त

| | | | |
|--------|------|-----------|---|
| उदाहरण | | | |
| 1. | वाक् | + ईशः | → |
| 2. | वाक् | + अर्थः | → |
| 3. | वाक् | + दानम् | → |
| 4. | अप् | + जं | → |
| 5. | अप् | + धिः | → |
| 6. | षट् | + आननः | → |
| 7. | षट् | + दर्शनम् | → |
| 8. | षट् | + अङ्गानि | → |
| 9. | सत् | + धर्मः | → |
| 10. | सत् | + आचारः | → |

सन्धिविभागं कुरुत

सद्गुरुः

जगदीशः

जगद्धन्धुः

तद्धनम्

सम्राडागतः

स्वर्गादिपि

अजन्तः

सुबन्तः

